IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

मुगलकालीन सैन्य प्रबंधन : एक ऐतिहासिक अध्ययन

Dr. (Smt.) Poonam Mishra[1] and Rajbhan Charmkar[2]
Professor, Department of History[1]
Research Scholor, Department of History[2]
Government T. R. S. College, Rewa, Madhya Pradesh, India

Abstract: सेना देश एवं प्रशासन की अभिन्न अंग होती है। किसी भी युग की सैन्य प्रणाली, उस समय की सुरक्षा, शांति एवं विकास की स्थिति को भली–भाँति जानकारी उपलब्ध कराती है, जो कि आज के समय के सैन्य प्रशासन एवं युवाओं के मार्गदर्शन हेतु अध्ययन का महत्वपूर्ण विषय है। भारत में मुगल वंश की स्थापना 1526 ई. में बाबर ने किया था जो कि सेना के बल पर हुई थी। बाबर से लेकर औरंगजेब तक तथा इसके बाद भी सैन्य व्यवस्था का विकास काफी हुआ है। इस काल में किये गये सैनिक विकास आज भी महत्वपूर्ण हैं।

संदर्भ स्रोतः

1. पाठक, रश्मि, अकबर से औरंगजेब तक, अर्जुन पब्लिशिंग नई दिल्ली, 2003 पृ. 162
2. श्रीवास्तव, हरिशंकर, मुगल शासन प्रणाली, दिल्ली, 1978 पृ. 194
3. लूणिया वी.एन. मुगल शासन व्यवस्था, कमल प्रकाशन इन्दौर, प्रथम संस्करण 1987, पृ. 136
4. सिंह राजेश कुमार, मुगल सैन्य पद्धति, (शोध–प्रबंध) 1996 पूर्वाचल विश्व., पृ. 26
5. सिंह डॉ. गिरीशचन्द्र, टण्डन डॉ. रामकृष्ण, अग्रवाल डॉ. प्रशांत, भारतीय युद्ध कला, 2014 शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद पृ. 161
6. पाण्डेय, अवध बिहारी, उत्तर मध्यकालीन भारत, सुरजीत पब्लिकेशन दिल्ली, प्रथम संस्करण 2012, पृ. 468 भदौरिया संजना सिंह, मुगलों की सैन्य व्यवस्था का विश्लेषणात्मक अध्ययन, 2011 (शोध–प्रबन्ध), छत्रपति शाहू जी महाराज विश्व., कानपुर पृ. 57
7. डेविड, मेजर ऐल्फ्रेड (अनु. चौपड़ा एस.डी.) भारतीय युद्धकला, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ एकादमी भोपाल, 1972 पृ. 09
8. इर्विन विलियम, द अर्मी ऑफ द इंडियन मुगल्स, दिल्ली, 2004, पृ. 135–37
9. मेहता, जे–यल. मध्यकालीन भारत का वृहत इतिहास, जवाहर पब्लिशर्स नई दिल्ली, 2001, पृ. 371
10. रस्तौगी डॉ. दयाप्रकाश, मध्यकालीन भारत शारदा प्रकाशन मेरठ, 1986–87, पृ. 213
    द्विवेदी आर. एस., मध्यकालीन भारत, विश्वभारती पब्लिकेशन, नई दिल्ली, पृ. 372

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252